भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2241
दिनांक 01 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

केरल में निपाह वायरस के मामले

†2241. श्री ए. राजाः
प्रो. सौगत रायः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या केरल सहित देश के कुछ भागों में निपाह वायरस संक्रमण के मामले फिर से सामने आए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और देश में निपाह संपर्क सूची में कितने लोग हैं;
(ख) क्या देश में आगे होने निपाह के संक्रमण को रोकने और नियंत्रित करने के लिए कोई नियंत्रण उपाय शुरू किए गए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार ने देश के कुछ हॉटस्पॉट्स में बार-बार इस तरह के व्यापक संचारी रोगों के कारणों का पता लगाया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या प्रतिरक्षा/प्रतिरोधक क्षमता में कमी के कारण देश में रोग व्यापक रूप से फैले हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी
ब्यौरा क्या है; और
(ङ) भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ङ): केरल के मलप्पुरम और पलक्कड़ ज़िलों में 2025 में निपाह वायरस संक्रमण के 3 मामले सामने आए हैं और कुल 677 संपर्कों का पता लगाया गया है। निपाह के प्रकोप को रोकने के लिए सरकार द्वारा शुरू किए गए नियंत्रण उपाय और उठाए गए कदमों का विवरण अनुलग्नक में दिया गया है ।

निपाह वायरस रोग निपाह वायरस (एनआईवी) के कारण होने वाला उभरता हुआ एक जूनोटिक संक्रामक रोग है । यह मुख्य रूप से सूअरों और मनुष्यों को प्रभावित करता है। मनुष्यों में निपाह के मामले समूह में या प्रकोप के रूप में विशेष रूप से निकट संपर्कों और देखभालकर्ताओं में होते हैं। माना जाता है कि वायरस का प्राकृतिक कारक टेरोपिड फ्रूट बेट्स (फ्लाइंग फॉक्स) हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार फ्रूट बेट्स इस रोग के संचरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एनआईवी संक्रमण फ्रूट बेट्स से मध्यवर्ती समुदायों या मनुष्यों में रोगज़नक़ के फैलने के तुरंत बाद होता है । भारत में अधिकांश संक्रमण ताड़ के खजूर के रस संग्रह के समय के साथ मेल खाते हैं। इस वजह से कुछ क्षेत्रों में निपाह के मामले बार-बार सामने आते हैं।

अनुलग्नक

केरल में निपाह वायरस के मामलों के संबंध में दिनांक 01.08.2025 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2241 के उत्तर के **भाग (क) से (ङ) में संदर्भित अनुलग्नक:**

निपाह रोग के प्रकोप को रोकने के लिए सरकार द्वारा शुरू किए गए नियंत्रण उपाय और उठाए गए कदम ;

- निगरानी तंत्र के माध्यम से प्रारंभिक चेतावनी संकेतों को प्राप्त कर अलर्ट जारी किया जाता है, प्रारंभिक चरण में प्रकोप का पता लगाया जाता है, प्रकोप की जांच की जाती है और रोग के आगे के प्रसार को नियंत्रित करने तथा रोकने के लिए संबंधित जन स्वास्थ्य एजेंसियों द्वारा समय पर समुचित उपाय किए जाते हैं।
- इन प्रकोपों के व्यापक मूल्यांकन और समीक्षा के लिए सहित एक राष्ट्रीय संयुक्त प्रकोप अनुक्रिया दल (एनजेओआरटी) को तैनात किया गया था जिसमें पशुपालन और दुग्ध, वन एवं वन्यजीव तथा मानव स्वास्थ्य विभाग के विशेषज्ञों और चमगादड़ सर्वेक्षण दल शामिल हैं । मलप्पुरम और पलक्कड़ के साथ-साथ कोझिकोड, त्रिशूर और वायनाड जिलों को अलर्ट पर रखा गया है।
- सभी पॉजिटिव मामलों के नैदानिक नमूनों पर संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण किया गया। यह जीनोमिक निगरानी, केरल में 2019 और 2021 में फैले निपाह वायरस के समान जीनोटाइप से संबंधित, परिसंचारी निपाह वायरस के प्रकार को समझने में सहायक है।
- तत्काल प्रकोप अनुक्रिया से परे, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने वर्ष भर दोनों वायरस अनुसंधान एवं निदान प्रयोगशालाओं (वीआरडीएल) के साथ निरंतर समर्थन और सहयोगात्मक जुड़ाव बनाए रखा तथा प्रशिक्षण, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) और निदान अभिकर्मकों की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की जाती है। यह निरंतर प्रयास संक्रामक रोगों से निपटने की तैयारी और अनुक्रिया के लिए क्षेत्रीय क्षमताओं को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।
- राज्य और केंद्र सरकार के स्वास्थ्य अधिकारियों ने निपाह वायरस रोग के बारे में जनता और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों में जागरूकता बढ़ाने के लिए काम किया। इन पहलों से यह सुनिश्चित हुआ कि लोगों को इस बीमारी के लक्षणों और संकेतों के बारे में जागरूक किया जाए और उन्हें यह भी समझाया जाए कि अगर उन्हें स्वयं में या दूसरों में संक्रमण का संदेह हो तो उन्हें क्या करना चाहिए।

भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम-

- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत, एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है जिसमें प्रवण संक्रामक रोगों के प्रकोप की निगरानी और अनुक्रिया करने के लिए अधिदेश है। आईडीएसपी सभी 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में कार्यान्वित किया गया है। यह कार्यक्रम 50 से अधिक महामारी-प्रवण रोगों की निगरानी और प्रकोप की जाँच के लिए उत्तरदायी है। आईडीएसपी देश में निपाह वायरस रोग सहित उभरती और फिर से उभरती बीमारियों की त्वरित अनुक्रिया और निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

- भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और आईसीएमआर- राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी), पुणे ने अक्टूबर-नवंबर 2024 से केरल राज्य में एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) और पश्चिम बंगाल और केरल में गंभीर तीव्र श्वसन संबंधी रोगों (एसएआरआई) की निगरानी को बढ़ाकर निपाह वायरस की निगरानी को मजबूत किया है।
- निपाह वायरस पर व्यापक दिशा-निर्देश तैयार किए गए है जिसे https://ncdc.mohfw.gov.in/nipah-virus-guidelines/ पर देखा जा सकता है।
- नेशनल वन हेल्थ प्रोग्राम फॉर प्रीवेंशन एंड कंट्रोल ऑफ ज़ोनोटिक डीजीज (एनओएचपी-पीसीज़ेड) के अंतर्गत निपाह वायरस रोग (एनआईवी) सहित जूनोटिक रोगों की रोकथाम, पता लगाने और अनुक्रिया क्षमताओं को मजबूत करने के लिए विभिन्न पहल की जाती हैं।
- राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर वन हेल्थ को संस्थागत बनाने के लिए - निपाह वायरस सहित सभी जूनोटिक रोगों की स्थिति की समीक्षा के लिए सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में जूनोसिस समिति का गठन किया गया है।
- क्षेत्रीय और राज्य स्तरीय संस्थानों के माध्यम से चिकित्सा और पशु चिकित्सा पेशेवरों से लेकर अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य/पशु चिकित्सा कर्मियों तक का क्षमता निर्माण किया जाता है।
- प्राथमिकता वाले जूनोसिस के भार को समझने और इसके कुशल प्रबंधन के लिए 28 राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में मेडिकल कॉलेजों/पशु चिकित्सा कॉलेजों के अंतर्गत 75 प्रहरी निगरानी स्थलों को मजबूत किया गया।
- निपाह वायरस रोग सहित जूनोटिक रोग पर एक तकनीकी मार्गदर्शन तैयार किया है और इसे नीचे दिए गए लिंक https://ncdc.mohfw.gov.in/wp-content/uploads/2024/04/Technical-Guidance-on-Zoonotic-Disease.pdf पर देखा जा सकता है।
- निपाह वायरस रोग के बारे में जनता में जागरूकता पैदा करने और इस रोग के प्रसार को रोकने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) वीडियो तैयार किया गया है। आईईसी को नीचे दिए गए लिंक https://ncdc.mohfw.gov.in/iec-material-on-zoonotic-disease-nipah/ पर देखा जा सकता है।

*****